# CURRENT AFFAIRS

Result Mitra

## NEWS FOR UPSC

UPSC, IAS/PCS

State Exam

All Exam

05 Feb. 2025

ABHAY Sir

❖ Topic 1:- गुजरात में जल्द लागू हो सकता है UCC: सीएम भूपेंद्र पटेल

❖ Topic 2:– राष्ट्रीय पशुधन मिशन (National Livestock Mission - NLM)

Topic 3:– परमाणु ऊर्जा मिशन – केंद्रीय बजट 2025-2026

❖ Topic 4:- इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस (IBCA)

❖ Topic 5:- मथिकेतन शोला राष्ट्रीय उद्यान

# गुजरात में जल्द लागू हो सकता है UCC: सीएम भूपेंद्र पटेल

1. **समिति का गठन** – गुजरात सरकार ने समान नागरिक संहिता (UCC) का मसौदा तैयार करने और कानून बनाने के लिए 5 सदस्यीय समिति गठित की।

2. **अध्यक्षता** – समिति की अध्यक्ष सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना देसाई होंगी।

3. **रिपोर्ट की समय सीमा** – समिति 45 दिनों में राज्य सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

4. **सरकार का निर्णय** – रिपोर्ट के आधार पर गुजरात सरकार UCC लागू करने पर निर्णय लेगी।

5. **उत्तराखंड के बाद गुजरात** – उत्तराखंड में UCC लागू होने के बाद गुजरात भी इसे जल्द लागू करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

6. **आगे की प्रक्रिया** – सरकार समिति की रिपोर्ट के आधार पर UCC लागू करने पर निर्णय लेगी।

7. **चुनावी वादा** – भाजपा ने 2022 के चुनाव घोषणापत्र में UCC लागू करने का वादा किया था।

## ❖ समान नागरिक संहिता (UCC) का उद्देश्य

1. **एक समान कानून** – UCC सभी नागरिकों के लिए एक समान व्यक्तिगत कानून व्यवस्था स्थापित करने का प्रस्ताव है।

2. **धर्म और लिंग से स्वतंत्र** – यह सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू होगा, चाहे उनका धर्म या लिंग कोई भी हो।

3. **कानूनी एकरूपता** – इसका उद्देश्य देश भर में व्यक्तिगत मामलों से जुड़े कानूनी प्रावधानों में समानता लाना है।

4. **भाजपा का प्रयास** – यह भाजपा के देशभर में समान नागरिक संहिता लागू करने के प्रयासों का हिस्सा है।

# राष्ट्रीय पशुधन मिशन (National Livestock Mission - NLM)

Result Mitra

❖ राष्ट्रीय पशुधन मिशन (NLM) भारत सरकार की एक प्रमुख योजना है, जिसे 2014-15 में शुरू किया गया था।

❖ **मिशन का उद्देश्य :–** पशुधन क्षेत्र का समग्र विकास सुनिश्चित करना, पशुपालकों की आय बढ़ाना और पशुधन उत्पादकता में सुधार करना है।

❖ **राष्ट्रीय पशुधन मिशन (NLM) और खाद्य सुरक्षा मानक –**

1. खाद्य सुरक्षा और मानक (FSSAI)भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) ने गैर-बोवाइन दूध (बकरी, ऊंट, भेड़) के लिए मानक तय किए।

❖ यह खाद्य सुरक्षा और मानक (खाद्य उत्पाद मानक और खाद्य सहयोज्य) विनियम, 2011 के तहत शामिल है।

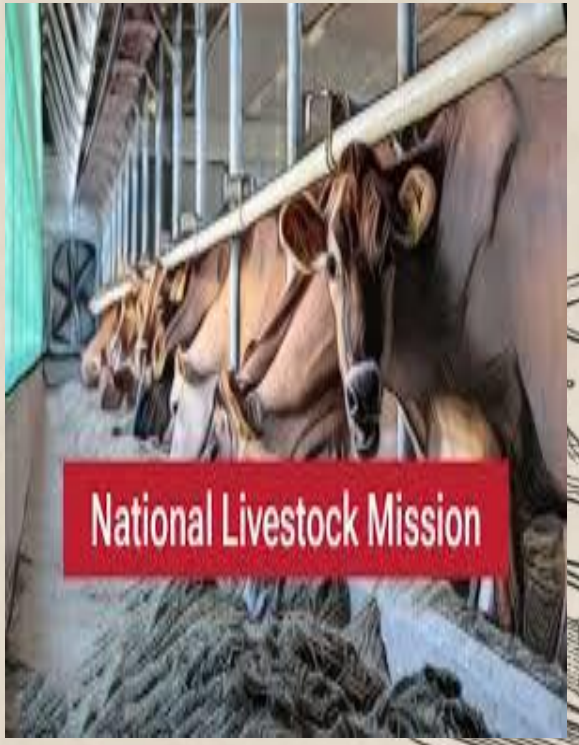

2. राष्ट्रीय पशुधन मिशन (NLM)2021 से भारत सरकार द्वारा लागू।

❖ पशुपालन, चारा उत्पादन और नस्ल सुधार को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय सहायता।

❖ 50% पूंजीगत सब्सिडी (50 लाख रुपये तक) उपलब्ध।

3. पात्रता और लाभार्थीपात्र संस्थाएं: व्यक्तिगत उद्यमीकिसान उत्पादक संगठन (FPO)स्वयं सहायता समूह (SHG)संयुक्त देयता समूह (JLG)किसान सहकारी संगठन (FCO)धारा 8 कंपनियां

4. उत्तर प्रदेश में प्रभाव145 परियोजनाएं स्वीकृत।

❖ 32.91 करोड़ रुपये की कुल सब्सिडी।846 लोगों को रोजगार, 5,978 किसानों को लाभ।

❖ 28,000 मीट्रिक टन वार्षिक चारा उत्पादन क्षमता।

❖ 30,371 पशुधन और 2,200 पोल्ट्री पक्षियों को शामिल करने में सहायता।

5. हरियाणा में प्रभाव (सोनीपत सहित)13 परियोजनाएं स्वीकृत।

❖ 4.06 करोड़ रुपये की कुल सब्सिडी।62 लोगों को रोजगार, 144 किसानों को लाभ।
❖ 2,400 मीट्रिक टन वार्षिक चारा उत्पादन क्षमता।
❖ 3,940 पशुधन और पोल्ट्री पक्षियों को सहायता।

6. दीर्घकालिक लाभपशुधन उत्पादकता और आनुवंशिक सुधार में वृद्धि। किफायती और उच्च गुणवत्ता वाले चारे की उपलब्धता।
❖ नस्ल सुधार फार्म और साइलेज प्लांट से छोटे किसानों को सहायता।
❖ पशुपालकों की आय में वृद्धि और स्थानीय चारा उत्पादन को बढ़ावा।

## राष्ट्रीय पशुधन मिशन

### 1. उद्देश्य:

- ❖ पशुधन उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाना
- ❖ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना
- ❖ छोटे और सीमांत पशुपालकों की सहायता करना
- ❖ चारे और चारा बीज उत्पादन को बढ़ावा देना
- ❖ पशुधन आधारित उद्यमिता को बढ़ावा देना

## 2. प्रमुख घटक (Components)

❖ NLM के तहत चार प्रमुख घटक हैं:

### (i) पशुधन विकास (Livestock Development)

❖ पशुपालकों को वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करना
❖ स्वदेशी नस्लों के संरक्षण और सुधार को बढ़ावा देना
❖ आधुनिक प्रजनन तकनीकों का उपयोग (जैसे कृत्रिम गर्भाधान)

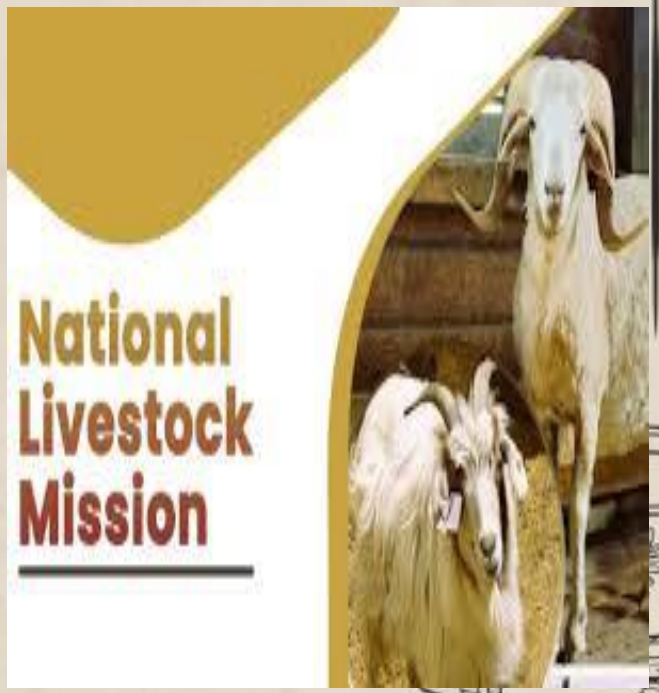


### (ii) उद्यमिता विकास और व्यावसायिक विकास (Entrepreneurship Development & Business Development)

❖ पशुधन क्षेत्र में स्टार्टअप्स और MSMEs को सहायता
❖ बकरी, भेड़, सुअर पालन, पोल्ट्री फार्मिंग को बढ़ावा
❖ डेयरी और मांस प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना

## (iii) चारा और चारे के बीज उत्पादन (Feed & Fodder Development)

- ❖ उच्च गुणवत्ता वाले चारा उत्पादन को प्रोत्साहित करना
- ❖ गैर-परंपरागत चारा संसाधनों का उपयोग
- ❖ किसानों को चारा उत्पादन तकनीक में प्रशिक्षण

## (iv) नवाचार और विस्तार (Innovation & Extension)

- ❖ डिजिटल तकनीकों का उपयोग (मोबाइल ऐप्स, ई-गवर्नेंस)
- ❖ पशुपालन प्रशिक्षण कार्यक्रम
- ❖ पशु स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार

## 3. कार्यान्वयन तंत्र (Implementation Mechanism)

❖ **नोडल एजेंसी:** पशुपालन और डेयरी विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

❖ **राज्यों की भागीदारी:** केंद्र-राज्य साझेदारी मॉडल

❖ **वित्तीय सहायता:**

❖ केंद्र और राज्यों के बीच 60:40 (सामान्य राज्यों के लिए)

❖ पूर्वोत्तर और पहाड़ी राज्यों के लिए 90:10

❖ केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 100% केंद्र सरकार द्वारा वित्तपोषित

## 4. राष्ट्रीय पशुधन मिशन का महत्व

- ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार के अवसर बढ़ाना
- आत्मनिर्भर भारत अभियान में योगदान
- दुग्ध उत्पादन और निर्यात क्षमता में वृद्धि
- जलवायु परिवर्तन के अनुकूल टिकाऊ पशुपालन को बढ़ावा

## 5. हाल के सुधार और नई पहल

- पशुपालन अवसंरचना विकास कोष (AHIDF) के तहत वित्तीय सहायता
- **e-GOPALA ऐप:** पशुपालकों के लिए डिजिटल समाधान
- **राष्ट्रीय गोकुल मिशन:** स्वदेशी नस्लों के विकास के लिए

# परमाणु ऊर्जा मिशन – केंद्रीय बजट 2025-2026

Result Mitra

❖ सरकार ने 2025-2026 के केंद्रीय बजट में परमाणु ऊर्जा मिशन की घोषणा की, जिससे जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होगी और ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी।

❖ मुख्य विशेषताएं

❖ लक्ष्य – 2047 तक 100 गीगावाट (GW) परमाणु ऊर्जा क्षमता हासिल करना (वर्तमान में लगभग 8 GW)।

❖ स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर्स (SMRs) – स्वदेशी SMRs के विकास के लिए ₹20,000 करोड़ का आवंटन, 2033 तक 5 SMRs चालू करने का लक्ष्य।

❖ निजी भागीदारी – परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 और परमाणु क्षति के लिए सिविल दायित्व अधिनियम, 2010 में संशोधन प्रस्तावित।

## ❖ परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में हालिया पहलें

❖ **क्षमता विस्तार** – गुजरात, राजस्थान, तमिलनाडु, हरियाणा, कर्नाटक और मध्य प्रदेश में 10 नए रिएक्टर्स निर्माणाधीन (कुल क्षमता ~8 GW)।

❖ **स्वदेशी उपलब्धियां** – राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना की यूनिट-7 (RAPP-7) ने 2024 में क्रिटीकेलिटी हासिल की।

❖ **भारत स्मॉल रिएक्टर्स (BSRs)** – 220 मेगावाट के प्रेशराइज्ड हैवी वाटर रिएक्टर्स (PHWRs), जो सुरक्षा और प्रदर्शन के मानकों पर खरे हैं।

❖ **निजी क्षेत्र की भागीदारी** – BSRs के विकास में निजी कंपनियों को शामिल करने की संभावनाओं पर कार्य जारी।

❖ यह मिशन भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता और स्थिरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

❖ स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर्स (SMRs)

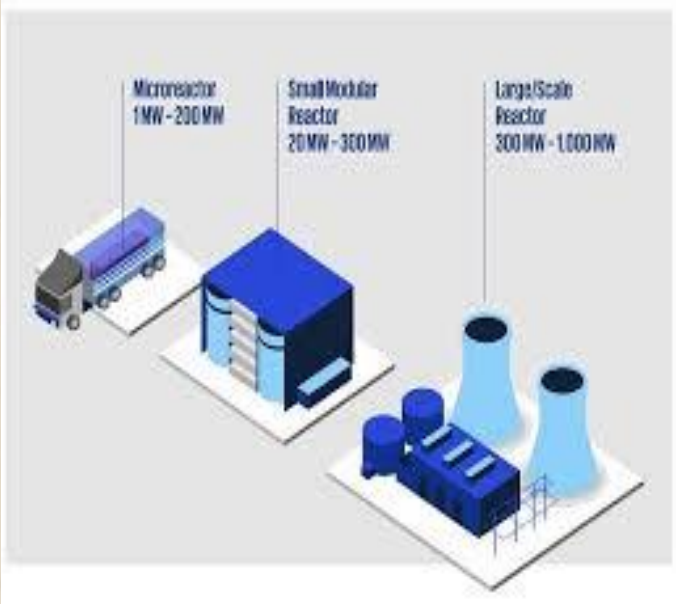


❖ परिभाषा:

❖ उन्नत परमाणु रिएक्टर्स, जिनकी प्रति यूनिट उत्पादन क्षमता 300 मेगावाट इलेक्ट्रिक (MW(e)) तक होती है।

❖ यह क्षमता पारंपरिक परमाणु रिएक्टर्स की तुलना में लगभग एक-तिहाई होती है।

❖ मुख्य विशेषताएं

❖ मॉड्यूलर निर्माण – फैक्ट्री में निर्मित होकर साइट पर स्थापित किए जाते हैं, जिससे ऑन-साइट कंस्ट्रक्शन की जरूरत नहीं होती।

❖ **इंक्रीमेंटल डिप्लॉयमेंट –** एकल या बहु-मॉड्यूल के रूप में स्थापित किए जा सकते हैं, जिससे ऊर्जा उत्पादन मांग के अनुसार बढ़ाया जा सकता है।

❖ **लाभ**

❖ कम प्रारंभिक पूंजी निवेश की आवश्यकता।
❖ नवीकरणीय ऊर्जा सहित अन्य वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों के साथ एकीकृत करने की क्षमता।
❖ उच्च सुरक्षा मानकों के साथ डिजाइन किए जाते हैं।
❖ दूरस्थ और ऊर्जा-विहीन क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति के लिए उपयुक्त।
❖ लचीलापन और त्वरित तैनाती की सुविधा।

❖ **भारत में वर्तमान परमाणु ऊर्जा संयंत्र और उनकी उत्पादन क्षमता**

❖ भारत में 22 वाणिज्यिक परमाणु रिएक्टर कार्यरत हैं, जिनकी कुल स्थापित क्षमता 7,480 मेगावाट (MW) है। इसके अलावा, कई नए रिएक्टर निर्माणाधीन हैं, जिनसे परमाणु ऊर्जा उत्पादन क्षमता बढ़ेगी।

# सक्रिय परमाणु ऊर्जा संयंत्र और उनकी क्षमता

| संयंत्र का नाम | राज्य | रिएक्टरों की संख्या | कुल क्षमता (MW) |
|---|---|---|---|
| तारापुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र (TAPS) | महाराष्ट्र | 4 | 1400 |
| रावतभाटा परमाणु ऊर्जा संयंत्र (RAPS) | राजस्थान | 6 | 1180 |
| काइगा परमाणु ऊर्जा संयंत्र (KGS) | कर्नाटक | 4 | 880 |
| नरोरा परमाणु ऊर्जा संयंत्र (NAPS) | उत्तप्रदेश | 2 | 440 |
| कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र (KKNPP) | तमिलनाडु | 2 (4 निर्माणाधीन) | 2000 |
| कलपक्कम (मद्रास) परमाणु ऊर्जा संयंत्र (MAPS) | तमिलनाडु | 2 | 440 |
| गोरखपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र (GHAVP) (निमार्णाधीन) | हरियाणा | (प्रथम चरण) | 700 |

# निर्माणाधीन और प्रस्तावित संयंत्र

| संयंत्र का नाम | राज्य | कुल क्षमता (MW) | स्थिति |
|---|---|---|---|
| कुडनकुलम यूनिट 3-6 | तमिलनाडु | 4000 | निर्माणाधीन |
| गोरखपुर यूनिट 1-2 | हरियाणा | 1400 | निर्माणाधीन |
| चुटका परमाणु ऊर्जा संयंत्र | मध्यप्रदेश | 1400 | प्रस्तावित |
| माही बासंवाड़ा परमाणु संयंत्र | राजस्थान | 2800 | प्रस्तावित |
| जैतापुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र | महाराष्ट्र | 9900 | प्रस्तावित (भारत का सबसे बड़ा परमाणु संयंत्र) |

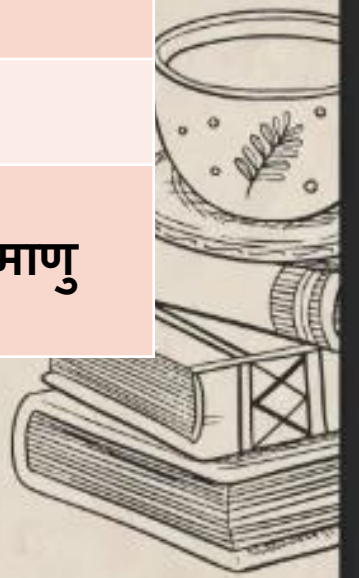

# इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस (IBCA)

## ❖ परिचय:

❖ एक संधि आधारित अंतर-सरकारी संगठन और अंतर्राष्ट्रीय कानूनी इकाई।
❖ मुख्यालय भारत में स्थित है।
❖ बहु-राष्ट्रीय और बहु-एजेंसी गठबंधन।

## ❖ सदस्यता

❖ 95 देश शामिल, जहां बड़ी बिल्ली प्रजातियों के प्राकृतिक पर्यावास हैं।

❖ ऐसे देश भी सदस्य, जो संरक्षण में रुचि रखते हैं, भले ही उनके पास प्राकृतिक पर्यावास न हों।

❖ **उत्पत्ति**

❖ 2023 में भारत के प्रधानमंत्री द्वारा लॉन्च किया गया।

❖ 'प्रोजेक्ट टाइगर के 50 वर्ष' पूरे होने के अवसर पर शुरू किया गया।

❖ **उद्देश्य**

❖ सात बड़ी बिल्ली प्रजातियों का संरक्षण:

❖ बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जगुआर, प्यूमा।

❖ **मुख्य लक्ष्य**

❖ संरक्षण प्रयासों में सहयोग और समन्वय को बढ़ावा देना।

❖ सफल संरक्षण पद्धतियों और विशेषज्ञता को साझा करना।

❖ वैश्विक स्तर पर बड़ी बिल्ली प्रजातियों के संरक्षण को मजबूत करना।

- **इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस (IBCA) –** सदस्यता और डिपॉजिटरी
- **फ्रेमवर्क समझौते की डिपॉजिटरी –** भारतीय विदेश मंत्रालय (MEA)।
- **वर्तमान सदस्य देश –** निकारागुआ, एस्वातिनी, भारत, सोमालिया और लाइबेरिया।
- इन देशों ने फ्रेमवर्क समझौते पर हस्ताक्षर कर IBCA के औपचारिक सदस्य बनने की प्रक्रिया पूरी की।

# सात बड़ी बिल्ली प्रजातियों की संरक्षण स्थिति

| बड़ी बिल्ली प्रजातियां (Big Cats) | IUCN रेड लिस्ट श्रेणी | CITES दर्जा | वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 |
|---|---|---|---|
| बाघ (पैंथेरा टाइग्रिस) | एंडेंजर्ड | परिशिष्ट-1 | अनुसूची-I |
| शेर (पैंथेरा लियो) | वल्नरेबल | परिशिष्ट-1 | अनुसूची-I |
| तेंदुआ (पैंथेरा पार्डस) | वल्नरेबल | परिशिष्ट-1 | अनुसूची-I |
| हिज तेंदुआ (पैंथेरा अन्सिया) | वल्नरेबल | परिशिष्ट-1 | अनुसूची-I |
| चीता (एसिनोनिक्स) | वल्नरेबल | परिशिष्ट-1 | अनुसूची-I |
| जगुआर (पैंथेरा औका) | नियर थ्रेटेन्ड | परिशिष्ट-1 | भारत में नही पाई जाती |
| प्यूमा (प्यूमा कॉनकालर) | लीस्ट कंसर्न | परिशिष्ट-1 | भारत में नही पाई जाती |

# मथिकेतन शोला राष्ट्रीय उद्यान

❖ स्थान और स्थापना

❖ अवस्थिति – इडुक्की, केरल।

❖ स्थापना – 2003 में राष्ट्रीय उद्यान घोषित।

❖ विशेषता – अनूठे शोला वन और हाथी गलियारे।

❖ वन प्रकार

❖ सदाबहार वन।

❖ आर्द्र पर्णपाती वन।

❖ शोला घास के मैदान – पश्चिमी घाट के ऊंचे क्षेत्रों में पाए जाने वाले विशिष्ट पारिस्थितिकी तंत्र, जहां छोटे जंगल (शोला) और घास के मैदान होते हैं।

❖ **जैव विविधता**

❖ **पशु** – शेर-पूंछ मकैक, गौर, जंगली सूअर, सांभर हिरण, लंगूर आदि।

❖ शेर-पूंछ मकैक – स्थानिक (एंडेमिक) और संकटग्रस्त प्रजाति।

❖ **पक्षी** – गोल्डन हेडेड सिस्टोला (IUCN रेड लिस्ट में "Least Concern")।

❖ **मुख्य जल स्रोत**

❖ उचिलकुथी पुझा, मथिकेतन पुझा, नजंदर आदि (पन्नियार नदी की सहायक नदियां)।

❖ **सांस्कृतिक महत्त्व**

❖ **मुधवन आदिवासी बस्तियां** – अदुविलनधानकुडी क्षेत्र में स्थित।

# THANK YOU

@resultmitra / 8650457000

@resultmitra

@resultmitra

Result Mitra

LIKE & SHARE

PDF

+ SUBSCRIBE

Result Mitra